Doosari – II

केरल हिन्दी प्रचार सभा, तिरुवनन्तपुरम

अगस्त 2011

हिन्दी दूसरी परीक्षा

(ഹിന്ദി ദൂസരി പരീക്ഷ)

प्रश्नपत्र 2 (പത്ര സംഖ്യ 2)

समय : 2½ घंटे) (पूर्णांक : 100

I किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पाँच-पाँच वाक्यों में लिखिए:- 15

1. लड़की ने किस प्रकार अपनी देश-भक्ति प्रकट की?
2. हाजी मोहम्मद मोहसिन कौन थे?
3. राजा शिबि ने अपनी दानशीलता का परिचय कैसे दिया?
4. शराबी कैसे सुधर गया?
5. बहेलिया किस ताक में था?
6. बन्दर को क्यों गुस्सा आ गया?

II किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दस-दस वाक्यों में लिखिए:- 20

1. सिद्धार्थ का दिल कैसा था? उनके मनोविनोद केलिए शुद्धोदन ने क्या-क्या प्रबन्ध किए?
2. सिद्धार्थ और देवदत्त में किस बात पर झगड़ा हुआ, उसका परिणाम क्या हुआ?
3. नगर-दर्शन से सिद्धार्थ को क्या अनुभव हुआ?
4. भगवान बुद्ध और यशोधरा के पुनर्मिलन का वर्णन कीजिए?

III किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पाँच-पाँच वाक्यों में लिखिए:- 15

(1) धोबी ने अपने गधे को क्यों खूब पीटा?
(2) हाथी कैसे गीदड़ों केलिए भोजन बन गया?
(3) कौए ने अपने मित्र हरिण को कैसे बचाया?
(4) पुरस्कार मिलते समय मन ही मन बुढ़िया क्या कह रही थी?
(5) गुरुभाई ने बाबाजी को कैसे समझाया कि धन की गरमी से निर्बल भी बलवान हो जाता है?
(6) जो ताकत से नहीं होता, वह अक्ल से होता है। ताकत किस में? अक्ल किस में?

doosari II

IV उचित प्रत्यय चुनकर खाली स्थान भरिए:- (6)

(ने, को, से, का, के, की, में, पर)

मोहनदास.....जन्म पोरबन्दर में हुआ। प्रारंभिक शिक्षा गाँव..... पाठशाला में हुई। उच्च शिक्षा पाने.....वे बिलायत गये। वहाँ..... बैरिस्टर बनकर लौटे। फिर वकालत करने लगे। लेकिन वकालत.....उनकी रुचि नहीं थी। इसलिए मोहनदास.....वकालत छोड़ी।

V उचित क्रिया चुनकर खाली स्थान भरिए:- 6

(किया, निकले, हुआ, गये, चले, पहुँचे)

हम अपने अध्यापक के साथ सबेरे मोटर गाड़ी में.....। आठ बजे हम तिरुवनन्तपुरम.....। पहले हमने एक होटल में नाश्ता.....। आराम करके पद्मनाभस्वामी का मन्दिर देखने.....। मंदिर देखकर हमको बड़ा आश्चर्य.....। वहाँ से हम अजायब घर देखने.....।

VI दो दिनों की छुट्टी माँगते हुए क्लास टीचर के नाम पर एक पत्र लिखिए। 12

अथवा

पलही श्रेणी में पास होने की सूचना देते हुए बहन के नाम एक पत्र लिखिए।

VII निम्नलिखित गद्य-खंड पढ़िए और नीचे दिये प्रश्नों के उत्तर लिखिए:- 6

राजू आलसी लड़का था। वह पाठ नहीं पढ़ता था। वह खेलने केलिए बगीचे में गया। उसने एक तितली को.देखा। तितली फूलों से मधु लेती थी। राजू ने तितली से कहा: "ओं तितली, आओ, मेरे साथ खेलो"। तितली बोली: "समय नहीं, मैं मधु लेती हूँ।"

1) राजू कैसा लडका था?

2) राजू कहाँ गया?

3) राजू ने किसको देखा?

4) तितली क्या करती थी?

5) राजू ने तितली से क्या पूछा?

6) तितली ने क्या जवाब दिया?

VIII मातृभाषा में अनुवाद कीजिए:- 8

सुरेष एक निर्धन बालक था। पढ़ने-लिखने में वह बहुत होशियार था। उसे चित्र बनाने का भी बडा शौक था। अपने घर की दीवारों पर वह तरह-तरह के चित्र खींचता था। गाँव के लोग ये चित्र देखकर आश्चर्य करते थे। वे कहते थे 'सुरेष, तुम बहुत चतुर हो। भविष्य में मशहूर चित्रकार बनोगे।'

होशियार - സമർത്ഥൻ, शौक - താല്പര്യം , चित्र खींचना-ചിത്രം വരയ്ക്കുക, भविष्य में - ഭാവിയിൽ, चतुर - മിടുക്കൻ

IX हिन्दी में अनुवाद कीजिए:- 12

തുളസീദാസ് ഹിന്ദിയിലെ ശ്രേഷ്ഠനായ കവിയാണ്. ഉത്തരപ്രദേശിലെ രാജാപുരം എന്നുപേരുള്ള ഗ്രാമത്തിലാണ് അദ്ദേഹം ജനിച്ചത്. പിതാവിന്റെ പേര് ആത്മാരാം ദുബേ എന്നും മാതാവിന്റെ പേര് ഹുലസി എന്നുമായിരുന്നു. അദ്ദേഹത്തിന്റെ ഗുരു ബാബാ നരഹരിദാസ് ആയിരുന്നു. അദ്ദേഹം ശ്രീരാമചന്ദ്രന്റെ വലിയ ഭക്തനായിരുന്നു. തുളസീദാസ് രചിച്ച രാമായണം വളരെ പ്രസിദ്ധമാണ്. ഈ രാമായണത്തെ 'രാമചരിതമാനസ്' എന്നു വിളിക്കുന്നു. അദ്ദേഹത്തിന് ശ്രീരാമദർശനം ഉണ്ടായി എന്നു പറയപ്പെടുന്നു. തുളസീദാസ് ഹിന്ദീ സാഹിത്യാകാശത്തിലെ ചന്ദ്രനാണ്.

തുളസീദാസ് രചിച്ച - तुलसी दास के द्वारा रचित

സാഹിത്യാകാശത്തിലെ - साहित्याकाश का

doosahi #II

DSR ii 4

Tulasidas is a great Hindi poet. He was born at Rajapuram, a village in Uttar Pradesh. His father was Atmaram Dubey. His mother was Hulasi. His guru was Baba Naraharidas. He was a great devotee of Sri Ramachandra. The Ramayana written by Tulasidas is very famous. The Ramayana is called Ramacharitamanas. It is said that he had sri Rama's darsan. Tulasidas is the moon in the literary firmament of Hindi.

(Firmament = Sky)

துளஸீதாஸ் மிகப்பெரிய ஹிந்தி கவிஞர். உத்திரப்பிரதேசில் ராஜபுரம் என்ற கிராமத்தில் அவர் பிறந்தார். அவருடைய தகப்பனார் பெயர் ஆத்மாராம். தாயாரின் பெயர் ஹுலஸி. அவருடைய குரு பாபா நரஹரிதாஸ். அவர் ஸ்ரீராமச்சந்திரனுடைய பெரிய பக்தர். துளஸீதாஸ் இயற்றின ராமாயணம் மிகப்புகழ்பெற்றது. இந்த ராமாயணத்திற்கு 'ராமசரிதமானஸ்' என்று பெயர். அவருக்கு ஸ்ரீராமதரிசனம் கிடைத்ததாகச் சொல்லப்படுகிறது. துளஸீதாஸ் ஹிந்தி இலக்கிய ஆகாயத்தின் சந்திரன்.